जब तलक रहेगी ये दुनिया,
तेरा याद रहेगा प्यार ऐ माँ।
ना भूले से हम भूलेंगे,
जो तूने किये उपकार ऐ माँ॥

तेरे पास जो आया रोता हुआ,
तूने हंसने का आधार दिया।
तन मन धन के वरदान दिये,
और सबको सुखी संसार दिया।
तेरे चरणों मे होके निहाल गये,
कोई लौटा नहीं लाचार ऐ माँ॥

अवतार शहनशाह के संग में,
कभी रंगी गुरूवचन के रंग में।
किरदार तेरा क्या आला रहा,
हरदेव सद्गुरू के संग में,
किस्मत के धनी हैं हम सारे,
किया हमने तेरा दीदार ऐ माँ॥

हर गली गाँव हर नगर शहर,
तूने सच का परचम लहराया।
आखिर दम तक तेरे सन्तों में,
तेरा दर्शन रज रज के पाया।
ये आज चमक्ता मिशन है जो,
सब तेरा है परउपकार ऐ माँ॥

कुलवंत राजमाँ का सन्तो,
अंदाज निराला देखा है।
हर दिल पे जिसने राज किया,
वो राज निराला देखा है।
वो 'शौक' प्यार की देवी थी,
देती थी प्यार ही प्यार ऐ माँ॥

(तर्ज : बाबुल की दुआये लेती जा.....)